LSTV
लोक सभा
THE HINDU
Times of India
ध्येयIAS
most trusted since 2003
Daily News Scan
(DNS)
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
RSTV
RAJYA SABHA
ET
जागरण

most trusted since 2003

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

क्या है IPOI जिसका हिस्सा बना है फ्रांस?

(What is IPOI?)

हाल ही में भारत और फ्रांस ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने के लिए एक वार्ता संपन्न की है। इस वार्ता के दौरान फ्रांस ने भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल यानी आईपीओआई का हिस्सा बनने का भी फैसला किया है। भारत और फ्रांस ने 13 अप्रैल को हुई बातचीत में ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर त्रिपक्षीय सहयोग करने, समुद्र तथा अंतरिक्ष में उभरती हुई चुनौती का सामना करने और जलवायु परिवर्तन तथा जैव विविधता संरक्षण पर साथ मिलकर काम करने की बात कही।

डीएनएस में आज हम आपको हिंद-प्रशांत महासागर पहल के बारे में बताएंगे और साथ ही समझेंगे इससे जुड़े कुछ अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को भी

इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI) का सुझाव सबसे पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14वें पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन के दौरान पेश किया गया था। इस पहल का उद्देश्य पड़ोसी और एक समान सोच रखने वाले दशों के साथ मिलकर समुद्री सीमाओं को मजबूत करना है। निर्बाध व्यापार और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के सिद्धांत पर आधारित इस साझेदारी को काफी बढ़ावा दिया जा रहा है। यह भारत के सागरीय पड़ोसियों के साथ क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के मक़सद से शुरू की गई SAGAR मिशन का भी हिस्सा है।

भारत ने हिंद महासागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जागरूकता, सतर्कता और साथ ही अप्रत्यक्ष चेतावनी के देने के मकसद से तमाम बड़ी शक्तियों के साथ मिलकर मालाबार और रिमपैक जैसे सैन्य अभ्यासों को संपन्न किया है। इन सब अभ्यासों से महासागरीय संसाधनों के ग़ैरक़ानूनी दोहन की कुछ राष्ट्रों की आदत को सबक सिखाने का अवसर मिलता है। लेकिन सवाल ये उठता है कि हिंद-प्रशांत महासागर जैसे पहल की ज़रूरत क्यों पड़ रही है?

दरअसल मौजूदा वक़्त में पश्चिमी हिंद महासागर के पॉलीमेटालिक सलफाइडों के का पता लगाने और इसका दोहन करने पर चीन की निगाह लगी हुई है। समुद्री रास्ते से संकीर्ण मलक्का जलडमरूमध्य तक अपनी आपूर्तियों के लिए चीन अंडमान सागर को एक चोक प्वाइंट के रूप में देखता है। इसलिए अंडमान सागर में रूल बेस्ड इंटरनेशनल ऑर्डर, फ्रीडम ऑफ नेविगेशन जैसी बातों को चीन बर्दाश्त नहीं कर पाता। चीन दक्षिण एशिया के राष्ट्रों श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश में अपनी उपस्थिति बढ़ाकर अपने लिए वैकल्पिक समुद्री और स्थल आधारित आपूर्ति मार्ग के निर्माण की मंशा रखता है और इसके लिए सक्रिय भी है। इसके साथ ही मध्य पूर्व से चीन तक ऊर्जा आपूर्ति में मलक्का स्ट्रेट की भूमिका किसी से छुपी नहीं है। यही कारण है कि चीन की ईरान से भी दोस्ती लगातार बढ़ रही है। दोनों ने अभी 25 वर्षीय सहयोग समझौते पर भी हस्ताक्षर किया है। इंडो पैसिफिक क्षेत्र में चूंकि पूर्वी अफ्रीकी देश भी आते हैं और पूर्वी अफ्रीकी देशों में भी चीन लगातार अपनी आर्थिक कूटनीतिक पहुंच को बढ़ाने के प्रयास में लगा हुआ है। इस लिहाज से भी हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता का प्रश्न संवेदनशील हो जाता है। अभी तक अमरीका की रुचि तेल पर नियंत्रण रखने की थी। लेकिन, शेल गैस और दूसरी खोजों के बाद अमरीका तेल का नेट एक्सपोर्टर बन गया है। ऐसे में, उसकी तेल पर निर्भरता कम हुई है। इससे मध्य पूर्व पर एनर्जी के लिए उसकी निर्भरता कम हुई है। और इस इलाके की अहमियत अमरीका के लिए घट गई है। दूसरी ओर, चीन के लिए तेल का मुख्य जरिया मध्य पूर्व ही है। इस लिहाज से चीन की हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती रुचि पर लगाम लगाना राष्ट्रों के लिए जरूरी हो गया है।

अब एक नज़र ज़रा क्वाड पर डाल लेते हैं कि ये क्या है। पिछले कुछ दशकों से, चीन अपने विस्तारवादी सोच और पड़ोसी देशों के प्रति आक्रामक रवैया रखने के लिए बदनाम हो चुका है। इसके अलावा, चीन की सुपर पावर बनने की आकांक्षा दूसरे देशों के मन में

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

कई तरह के सवाल पैदा करती है। शायद यही वजह है कि चीन को प्रतिसंतुलित करने के लिहाज से कई संगठन अस्तित्व में आए हैं और इसी में एक है क्वॉड. क्वॉड यानी 'द क्वॉड्रिलैटरल सिक्यॉरिटी डायलॉग' इसके 4 सदस्य देश हैं जिनमें जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। इसका मकसद हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति बनाए रखना और चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है।

DHYEYAIAS.COM

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Dhyeya IAS Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.com/hindi

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

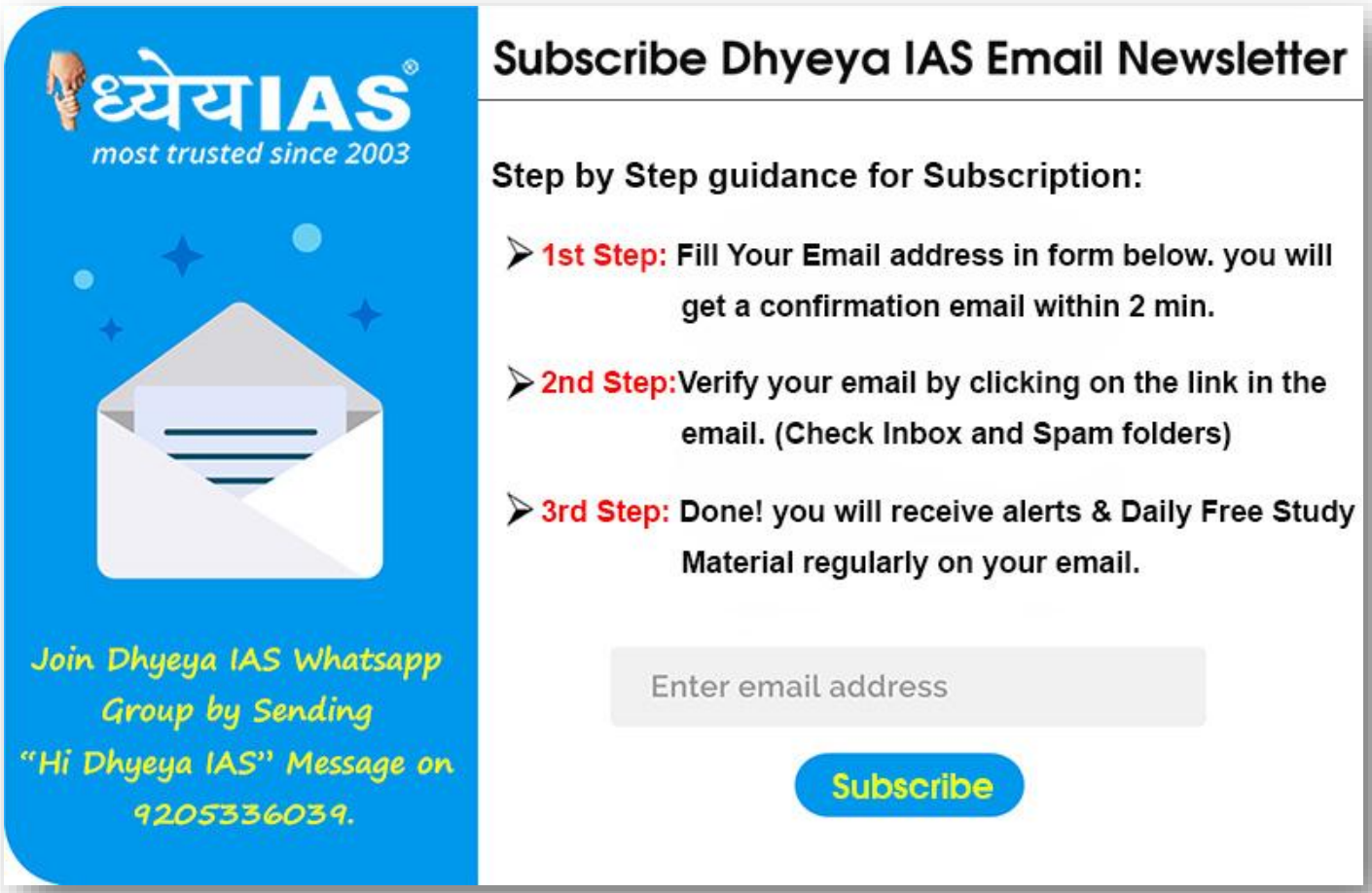

ध्येय IAS
most trusted since 2003
Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400